साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 176 | जौनपुर, गुरूवार, 13 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

हर कोई संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए उत्सुक दिख रहा : पीएम मोदी

प्रयागराज, (संवाददाता)। संगम में डुबकी लगाने के लिए हर कोई लालायित दिख रहा है। इसमें सियासी कड़वाहट भी डूब गई है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक, आम जन से लेकर वीवीआईपी तक, हर कोई संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए उत्सुक दिख रहा है। विपक्ष के नेताओं की जुबान पर भले ही विरोध रहा हो, लेकिन मन में उत्साह लेकर अधिकतर नेताओं को संगम की शरण में आते देखा जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को जाम की वजह से निराशा मिली। अफसरों के अनुसार, महाकुंभ में स्नान के लिए वह भी आ रहे थे लेकिन श्रद्धालुओं के जनसमुद्र में फंसकर रह गए। इसकी वजह से उन्हें बीच रास्ते से ही लौटना पड़ा। इनके अलावा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कर्नाटक के डिप्टी सीएम और वहां के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने पहुंचे। डीके शिवकुमार के साथ उनकी पत्नी उषा थीं। यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय भी यहां आने से खुद को न रोक सके। इससे पहले, दुनिया के सबसे बड़े जन समागम में स्नानार्थियों के उत्साह के सामने प्रशासन के अनुमान छोटे साबित हो रहे हैं। मंगलवार को भी सवा करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया और यह सिलसिला लगातार चार दिनों से कायम है। इसका नतीजा है कि माघी पूर्णिमा से एक दिन पहले ही महाकुंभ में कुल स्नानार्थियों की संख्या 46 करोड़ पार कर गई। शनिवार से ही संगम में डुबकी के लिए भारी भीड़ आ रही है। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा। हर प्रमुख मार्गों पर स्नानार्थियों का रेला रहा। भीड़ को देखकर यही लग रहा मानो हर कोई संगम की ओर आ रहा है या आना चाहता है। मेला क्षेत्र में काली, त्रिवेणी, नागवासुकि, बांध समेत सभी मार्गों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ आने लगी जो देर रात तक की बनी रही। इसका नतीजा रहा कि संगम और ऐरावत ही नहीं मेला क्षेत्र के ज्यादातर घाटों पर स्नानार्थियों का लगातार दबाव बना रहा। मेला प्रशासन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार शाम आठ बजे तक 1.34 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। इसके बाद भी स्नानार्थियों के आने का क्रम जारी था। साथ ही सभी घाटों पर स्नानार्थियों की भीड़ रही। वहीं सोमवार तक 44.74 करोड़ लोगों ने स्नान किया था। इस तरह से मंगलवार को ही कुल स्नानार्थियों की संख्या 46 करोड़ को पार कर गई।

मुफ्त की योजनाओं के एलान से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त के वादे करने पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि लोगों को अगर राशन और पैसे मुफ्त मिलते रहेंगे तो इससे लोगों की काम करने की इच्छा नहीं होगी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की। याचिका में बेघर लोगों को शहरी इलाकों में आश्रय स्थल मुहैया कराने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि श्मुफ्त वाली योजनाओं के चलते लोग काम नहीं करना चाहते। उन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है और उन्हें बिना कोई काम किए पैसे मिल रहे हैं।श याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने पीठ को बताया कि सरकार ने शहरी इलाकों में आश्रय स्थल की योजना को बीते कुछ वर्षों से फंड देना बंद कर दिया है। इसके चलते इन सर्दियों में 750 से ज्यादा बेघर लोग ठंड से मर गए। याचिकाकर्ता ने कहा कि गरीब लोग सरकार की प्राथमिकता में ही नहीं हैं और सिर्फ अमीरों की चिंता की जा रही है। इस टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई और कहा कि अदालत में राजनीतिक बयानबाजी की इजाजत नहीं दी जाएगी। जस्टिस गवई ने कहा कि श्कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन क्या बेघर लोगों को समाज की मुख्यधारा में शामिल नहीं किया जाना चाहिए, ताकि वे भी देश के विकास में योगदान दे सकें। क्या हम इस तरह से परजीवियों का एक वर्ग तैयार नहीं कर रहे हैं?

संक्षिप्त समाचार

गुरु रविदास का जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत : मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को गुरु रविदास की जयंती की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी और लोगों से करुणा एवं निस्वार्थ सेवा के उनके संदेश को आत्मसात करने की अपील की। मुर्मू ने कहा, ''गुरु रविदासजी एक महान भारतीय संत थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से सभी को एकता और भाईचारे का संदेश दिया। उनकी भावपूर्ण कविता जाति और धर्म की बाधाओं को पार करती है और पूरी मानवता को प्रेरित करती है। संत रविदासजी का जीवन समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।'' राष्ट्रपति भवन कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, मुर्मू ने गुरु रविदास की जयंती पर लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने कहा, ''इस अवसर पर आइए हम उनकी भक्ति, करुणा और निस्वार्थ सेवा के संदेश को आत्मसात करें, इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें।

पवार के साथ अच्छे संबंधों का आनंद लें, उनसे किसी 'गुगली' का सामना नहीं करना पड़ेगा : एकनाथ शिंदे

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनसे सीखने वाली बात है कि राजनीतिक क्षेत्र से परे जाकर अच्छे संबंध कैसे बनाकर रखे जा सकते हैं। शिंदे यहां होने वाले 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उपलक्ष्य में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में पवार द्वारा महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''पवार गुगली गेंदें भी फेंकते हैं, जिन्हें समझना मुश्किल होता है। मेरे पवार के साथ अच्छे संबंध हैं, लेकिन उन्होंने मुझे कभी 'गुगली' नहीं फेंकी। मुझे पूरा भरोसा है कि वह भविष्य में भी मुझे गुगली नहीं फेंकेंगे।'' शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं, ।

बसपा सुप्रीमो मायावती का बड़ा एक्शन, आकाश आनंद के ससुर को पार्टी से निकाला

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुटबाजी और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप में आकाश आनंद के ससुर डॉ. अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। राज्यसभा के पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ की बेटी से आकाश आनंद की शादी हुई है। डॉ. अशोक

सिद्धार्थ के पिता बसपा संस्थापक कांशीराम के सहयोगी रहे हैं। सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने कहा कि बसपा की ओर से खासकर दक्षिणी राज्यों के प्रभारी रहे डॉ. अशोक सिद्धार्थ पूर्व सांसद व नितिन सिंह जिला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है। बीएसपी की ओर से खघसकर दक्षिणी राज्यों आदि के प्रभारी रहे डा अशोक सिद्धार्थ, पूर्व सांसद व श्री नितिन सिंह, जिला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है। मायावती के इस निर्णय को दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी नेताओं को सख्त संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बसपा ने जहां पर भी प्रत्याशी खड़े किये थे वहां पर जमानत जब्त हो गई। डॉ. अशोक सिद्धार्थ मायावती के काफी नजदीकी माने जाते थे और उनके पास पार्टी की कई बड़ी जिम्मेदारियां थीं।

जल्द तय होगा दिल्ली का मुख्यमंत्री, भाजपा में जारी है मंथन का दौर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री के चेहरे पर फैसला कर सकती है. पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री के चेहरे के चयन में सामाजिक समीकरण के अलावा भावी चुनौतियों पर मंथन किया जा रहा है और नेतृत्व किसी ऐसे नेता को सौंपा जायेगा जो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के उम्मीदों पर खरा उतर सके। दिल्ली की सत्ता पर 27 साल बाद काबिज होने वाली भारतीय जनता पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री के चेहरे पर मंथन का दौर जारी है. भाजपा अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री के चेहरे पर फैसला कर सकती है. पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री के चेहरे के चयन में सामाजिक समीकरण के अलावा भावी चुनौतियों पर मंथन किया जा रहा है और नेतृत्व किसी ऐसे नेता को सौंपा जायेगा जो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के उम्मीदों पर खरा उतर सके. इस बाबत पार्टी में मंथन का दौर जारी है. इस हफ्ते के अंत तक पार्टी के विधायक दल की बैठक हो सकती है, जिसमें तय होगा कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा. इस बीच शीर्ष नेतृत्व जीते हुए विधायकों से लगातार सलाह–मशविरा कर रहा है.। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दिल्ली के विधायकों से मुलाकात कर रहे हैं मंगलवार को विधायक अनिल शर्मा, शिखा रॉय, सतीश उपाध्याय, अरविंदर सिंह लवली, विजेंद्र गुप्ता, अजय महावर, रेखा गुप्ता, कपिल मिश्रा, कुलवंत राणा और अनिल गोयल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की. देर शाम कई अन्य विधायकों के भी नड्डा से मुलाकात की संभावना है. विधायकों से मुलाकात का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहेगा. पार्टी का शीर्ष

नेतृत्व विधायकों से मुलाकात कर उनसे फीडबैक ले रहा है. इस फीडबैक के आधार पर भी तय होगा कि दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। दिल्ली में लंबे इंतजार के बाद भाजपा का मुख्यमंत्री होगा. ऐसे में पार्टी की ओर से ऐसे चेहरे की तलाश की जा रही है, जो आने वाले समय में दिल्ली के अलावा दूसरे राज्यों में भी पार्टी की रणनीति को आगे बढ़ाने में मददगार साबित हो सके. एक बात तय है कि विधायकों में से ही कोई मुख्यमंत्री बनेगा. पार्टी आलाकमान दिल्ली की कमान ऐसे व्यक्ति को सौंपना चाहता है जो दिल्ली की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही पार्टी की भावी रणनीति के लिए पूरी तरह फिट हो।

राजनाथ ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को बाधाओं से बचकर रहने की सलाह दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घुटने के दर्द से उबर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को मंगलवार को सलाह दी कि वह अपने पैरों को ''हर जगह आने वाली बाधाओं'' से बचाकर रखें। सिंह ने वैश्विक निवेशक सम्मेलन 'इन्वेस्ट कर्नाटक– 2025' के उद्घाटन सत्र में व्यंग्यपूर्ण लहजे में कहा कि सिद्धरमैया सभी बाधाओं को पार कर लेंगे। उन्होंने कहा, ''जब मैं शनिवार को बेंगलुरु आया तो मुझे मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के घुटने के दर्द के बारे में पता चला। उन्हें यहां कार्यक्रम में देखकर अच्छा लगा और इससे पता चलता है कि वह तेजी से

ठीक हो रहे हैं।'' रक्षा मंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा, ''राजनीति में अपने पैरों को सुरक्षित रखना बहुत महत्वपूर्ण है और आपको बहुत सावधान रहना होगा क्योंकि आपको हर जगह बाधाएं मिलेंगी।'' इस पर वहां मौजूद दर्शकों में हंसी की लहर दौड़ गई। सिद्धरमैया भी इस टिप्पणी पर मुस्कराए। सिंह ने उम्मीद व्यक्त की कि सिद्धरमैया सभी बाधाओं को पार कर लेंगे। उन्होंने कहा, ''सिद्धरमैया एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं और उन्होंने अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को सुरक्षित रूप से पार किया है तथा आज वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' शनिवार को घुटने में दर्द होने के बाद मुख्यमंत्री को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके करीबी सूत्रों ने बताया कि यह गंभीर नहीं है। घुटने में दर्द होने के बाद से सिद्धरमैया ने 'इन्वेस्ट कर्नाटक सम्मेलन' में पहली बार भाग लिया।

सीएम नीतीश कल गया को देंगे लाखों-करोड़ की सौगात

बिहार, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के तहत कल गया पहुंचेंगे. यहां वह विभिन्न इलाकों में 1437 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे. जिलाधिकारी डॉ. त्याग राजन ने बताया कि सीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं. चप्पे–चप्पे पर व्यापार तैयारी की गई है. जिलाधिकारी ने बताया कि सबसे पहले मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर द्वारा जिले के इमामगंज प्रखंड पहुंचेंगे, जहां इमामगंज के लावाबार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे. यहां वे लावाबार डैम का निरिक्षण करने के साथ ही कई योजनाओं की सौगात देंगे. इसके बाद मुख्यमंत्री बोधगया पहुंचकर बतसपुर गांव में बनाये गए डैम के बारे में जानकारी लेंगे. इसका अलावा सीएम यहां गोवर्धन योजना, खेल परिसर सहित अन्य कई योजनाओं की समीक्षा करेंगे एवं यहां किए गए विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लेंगे.। इसके बाद

मुख्यमंत्री गया शहर के डाक बंगला रोड स्थित मॉडल अस्पताल प्रभावती पहुंचेंगे, जहां इसके नए भवन का उद्घाटन करेंगे. इसे लेकर व्यापक तैयारी की गई है. जिलाधिकारी डॉ. त्याग राजन और एसएसपी इस कार्यक्रम की तैयारी का व्यापक जायजा ले रहे हैं. गया के डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा के तहत गया पहुंच रहे हैं, जहां वे 1437 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे. उनके आगमन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। गया के मॉडल अस्पताल प्रभावती पर कुल 48 करोड़ की राशि खर्च की गई है, जिसमें 29 करोड़ की राशि से भवन का निर्माण कराया गया है. जहां अत्याधुनिक तरीके से मरीजों का इलाज किया जाएगा. यहां अत्याधुनिक पैथोलैब, आईसीयू और कई वार्ड बनाए गए हैं. साथ ही चिकित्सकों की तैनाती भी की गई है. मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के भी कड़े प्रबंध किए गए हैं।

पत्नी से उसकी सहमति के बगैर किसी भी तरह के यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता - अदालत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ उसकी सहमति के बगैर किसी भी तरह के यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सोमवार को एक आदेश में यह टिप्पणी की और आरोपी पति को भारतीय दंड संहिता की तीनों धाराओं 304, 376 और 377 के तहत लगे सभी आरोपों से बरी कर दिया है तथा उसे तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया। इस मामले में अदालत ने पिछले साल 19 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था और सोमवार (10 फरवरी) को फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार बस्तर (जगदलपुर) के निवासी याचिकाकर्ता पति ने अपनी पत्नी के साथ 11 दिसंबर 2017 की रात को उसकी सहमति के बगैर अप्राकृतिक संबंध बनाए थे। पति पर आरोप लगाया कि इस कृत्य के कारण पीड़िता को असह्य पीड़ा हुई और बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर पति को गिरफ्तार कर लिया। जब मामले की सुनवाई अधीनस्थ अदालत में हुई तब अदालत ने आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक यौन कृत्य) 376 (दुष्कर्म) और 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत पति को दोषी ठहराया और उसे 10 साल कारावास की सजा सुनाई। अदालत के इस फैसले के बाद पति ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की। मामले की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने माना कि अगर पत्नी की आयु 15 वर्ष से कम नहीं है तो पति द्वारा किसी भी यौन संबंध या यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। न्यायालय ने यह भी माना कि इन परिस्थितियों में पत्नी की सहमति स्वमेव महत्वहीन हो जाती है, इसलिए अपीलकर्ता पति के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 और 377 के तहत अपराध नहीं बनता। इसी प्रकार आईपीसी की धारा 304 के तहत भी अधीनस्थ अदालत ने कोई विशेष निष्कर्ष दर्ज नहीं किया है। उच्च न्यायालय के फैसले में याचिकाकर्ता पति को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है ।

ट्रम्प से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री को उठाना चाहिए 2टी का मुद्दा, कांग्रेस ने दी केंद्र को सलाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्टील और एल्युमीनियम पर आयात शुल्क में बिना किसी अपवाद या छूट के 25 प्रतिशत की वृद्धि की। व्हाइट हाउस ने एक प्रेस नोट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प अनुचित व्यापार प्रथाओं और स्टील और एल्यूमीनियम की वैश्विक डंपिंग को समाप्त करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं। इस निर्णय पर कड़ी वैश्विक प्रतिक्रियाएँ आईं। यूरोपीय संघ ने जवाबी कदमों को लागू करने की कसम खाई है, जबकि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने टैरिफ को षपूरी तरह से अनुचितष करार दिया और कड़ी प्रतिक्रिया की कसम खाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपनी बैठक के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से दो महत्वपूर्ण मुद्दों टैरिफ और भारतीय प्रवासियों के साथ व्यवहार को संबोधित करने का आग्रह किया। खड़गे ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा स्टील और एल्युमीनियम आयात पर 25प्रतिशत टैरिफ लगाने पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के उपायों से भारत के विनिर्माण पर गंभीर असर पड़ेगा। खरगे ने कहा कि किसी भी देश के लिए श्कोई छूट नहीं, कोई अपवाद नहींश के साथ एल्यूमीनियम और स्टील के आयात पर 25प्रतिशत टैरिफ का भारत के विनिर्माण पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। यह देखते हुए कि अमेरिका हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, हमें पारस्परिक रूप से लाभकारी ढांचे के साथ दोनों देशों के लिए घनिष्ठ व्यापार संबंध बनाने चाहिए।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्टील और एल्युमीनियम पर आयात शुल्क में बिना किसी अपवाद या छूट के 25प्रतिशत की वृद्धि की। व्हाइट हाउस ने एक प्रेस नोट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प अनुचित व्यापार प्रथाओं और स्टील और एल्यूमीनियम की वैश्विक डंपिंग को समाप्त करने के लिए कार्रवाई कर रहे

संपादकीय

देर से उठाया कदम

भले ही न टाली जा सकने वाली विषम परिस्थितियों के चलते हुआ हो, मणिपुर के विवादित मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने दिल्ली की ऐतिहासिक चुनावी जीत का मजा किरकिरा न होने देने के इरादे से उनका इस्तीफा दिलवाना बेहतर विकल्प समझा। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा के कारण हुई मौतों और विस्थापन पर सार्वजनिक माफी मांगकर खेद जताने के एक माह से कुछ अधिक समय बाद बीरेन सिंह ने आखिरकार अपना पद छोड़ ही दिया। दरअसल, उनका यह अस्त्र काम नहीं आया। विडंबना यह है कि उनकी कथित बातचीत का एक ऑडियो टेप कुछ समय पहले लीक हुआ है। जिसमें टेलीफोन पर हुई वह बातचीत रिकॉर्ड हुई बतायी जाती है, जिसमें जातीय हिंसा भड़काने में उनकी भूमिका उजागर होती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सत्यता प्रमाणित करने के लिये इस टेप को केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला को भेजा गया है। शीर्ष अदालत ने सीलबंद लिफाफे में यह रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए हैं। लगता है कि मणिपुर में विपक्षी दलों द्वारा बीरेन सिंह को हटाने की मुहिम में सत्तारूढ़ दल के कुछ विधायकों के शामिल होने की आशंका को भांपते हुए बीरेन सिंह को इस्तीफा देने को कहा गया है। उनके खिलाफ आरोपों की गंभीरता के मद्देनजर इस्तीफे को बचने के एक रास्ते के तौर पर देखा गया है। बहरहाल, राज्य सरकार व पार्टी की छवि को पहले ही काफी नुकसान हो चुका है और यह इस्तीफा बहुत देर से आया है। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा में करीब ढाई सौ लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। लेकिन राज्य सरकार स्थिति को संभालने में विफल रही है। विडंबना यह है कि व्यापक हिंसा व आगजनी के बाद बीरेन को पद से हटाने की मांग को नजरअंदाज किया जाता रहा है। विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को भी सवालों के घेरे में लेता रहा है। बहरहाल, अब सवाल यह उठता है कि मुख्यमंत्री बदलने से क्या जमीनी हकीकत में बदलाव आ सकेगा? नया नेतृत्व क्या वह इच्छाशक्ति दिखा पाएगा जिससे मैती व कुकी समुदायों के बीच गहरी हुई खाई को पाटा जा सकेगा? निस्संदेह, मणिपुर के लोग न्याय व शांति का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में लोगों का भरोसा जीतना केंद्र सरकार की पहली जिम्मेदारी बनती है। ताकि राज्य में शांति व सद्भाव कायम हो सके। वहीं दूसरी ओर बजट सत्र को टालने से राज्य में राष्ट्रपति शासन की आशंका भी जतायी जा रही है। वैसे राज्य में दोनों प्रमुख समुदायों के बीच जिस हद तक अविश्वास हावी है, उसे देखते हुए शीघ्र सुलह–समझौते की उम्मीद कम ही है। यहां तक कि कुकी समुदाय अपने लिये अलग प्रशासनिक व्यवस्था की मांग जोर–शोर से उठाता रहा है, तो वहीं मैती समुदाय इस मांग का प्रबल विरोध करता रहा है। बहरहाल, प्राथमिकता राज्य में शांति व्यवस्था स्थापित करने की होनी चाहिए ताकि विस्थापित लोग कानून पर भरोसा करते हुए अपने घरों को लौट सकें। सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा बलों से दोनों समुदायों द्वारा लूटे गए हथियारों की बरामदगी की भी है। यहां तक कि पुलिस व सुरक्षा बलों पर भेदभाव के आरोप भी लगते रहे हैं। निश्चित रूप से राज्य में पुलिस व सुरक्षा बलों को सर्वप्रथम अपनी विश्वसनीयता कायम करनी होगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बीरेन सिंह के बाद सत्ता की बागडोर थामने वाला व्यक्ति किस हद तक स्थितियों को सामान्य बनाने में सक्षम होता है।

दुष्प्रभावों से बचकर एआई का लाभ उठाया जाए

डॉ. संजय

विज्ञान जगत अमूमन किसी तकनीक या सुविधा का आविष्कार सृजन के लिए करता है। यहां तक कि डायनामाइट हो या न्यूक्लियर एनर्जी जैसी चीजें– जिनके आविष्कार और खोज का मकसद विकास करना ही था, विनाश करना नहीं। इसी तरह करीब 7 दशक पहले ईजाद की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को इक्कीसवीं सदी के पहले दो दशकों तक खतरे की बजाय सहयोगी की भूमिका में ज्यादा देखा गया। लेकिन साल 2022 में जब से ओपनएआई ने चौटजीपीटी को दुनिया के सामने पेश किया है, मशीनों को मिली चेतना यानी कृत्रिम बुद्धि के इंसानों से भी आगे निकल जाने और नौकरियों से लेकर हमारी खुद की क्षमताओं के खात्मे का खतरा एक वास्तविकता में बदलते हुए प्रतीत होने लगा है। हालांकि, दुनिया अभी भी वे रास्ते तलाश कर रही है, जिनसे होते हुए एआई को हमारी सभ्यता के विनाश के बजाय विकास की दिशा में मोड़ा जा सकता है। पेरिस (फ्रांस) में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट इसकी सबसे ताजा पहल है। इस सम्मेलन में नीति–निर्माताओं (राजनेताओं) और कृत्रिम बुद्धि के कारोबार से जुड़ी नामचीन हस्तियों ने इस पर विचार किया है कि एआई का वह भविष्य क्या है, जिसमें दुनिया इस तकनीक से डरने की जगह पर इसके इस्तेमाल से खुद की बेहतरी के इंतजाम कर सकती है। इस शिखर सम्मेलन में जुटे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा अमेरिकी उप–राष्ट्रपति जेडी वेंस, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, माइक्रोसॉफ्ट प्रमुख ब्रैड स्मिथ, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और चीनी उप–प्रधानमंत्री झांग गुओकिंग ने यह जानने की कोशिश की है कि क्या एआई की भी सार्थकता उसी तरह सामने आ सकती है, जैसी बीसवीं सदी के अंत में कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया ने अपने आगमन के साथ दुनिया भर के कामकाज को आसान किया था। उस समय भी दुनिया आशंकित थी कि कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी तकनीकें हमारी नौकरियों के लिए काल बन जाएंगी। लेकिन हुआ इसके उलट। इन तकनीकों ने नए रोजगार पैदा किए और कामकाज आसान किया। लेकिन यहां एआई को लेकर अहम चिंता यह है कि यह सिर्फ मशीनी इंतजाम नहीं है। बल्कि कंप्यूटर–इंटरनेट से अलग इसका खतरनाक पहलू यह है कि यह तकनीक हमारे हाथ का कामकाज छीनकर सभ्यता पर कब्जा करने की हैसियत में आ सकती है। नवंबर, 2022 के आखिरी हफ्ते में चौटजीपीटी की लॉन्चिंग के साल

भर में ही ऐसी स्थितियां बन गई थीं कि इसके आविष्कार में योगदान देने वाले अरबपति कारोबारी एलन मस्क कह बैठे कि दुनिया को एआई पर नियंत्रण की कोशिश करनी होगी, अन्यथा यह तकनीक इंसान के काबू से बाहर चली जाएगी। ऐसे में यह प्रश्न मुख्य रूप से पैदा हुआ है कि क्या एआई के बारे में कोई यह भरोसे से कह सकता है कि आगे चलकर यह तकनीक पूरी मानवता की हितैषी साबित होगी। इसे लेकर आज जो डर व आशंकाएं हैं, क्या वे निराधार पाई जाएंगी और अंततः इससे हमारा भला ही होगा। फिलहाल जो परिदृश्य हैं, उन्हें देखकर यह मानना और कहना सच में मुश्किल है कि कंप्यूटर–इंटरनेट की तरह एआई के विविध स्वरूप (चौटजीपीटी, डीपसेक आदि) सार्थक परिणाम देंगे और डर के आगे जीत के मंत्र को साकार करेंगे। एआई से नौकरियों के छिन जाने का संकट अवास्तविक नहीं है। भारत में ही जब कुछ टेलीविजन चौनलों पर एआई एंकर खबरें पढ़ते दिख रहे हों, तो इस चुनौती को अनदेखा कैसे किया जा सकता है। दुनियाभर में कई कंपनियों बढ़ती श्रम लागत के मद्देनजर उत्पादन का काफी कामकाज रोबोट्स और एआई से लैस मशीनों–कंप्यूटरों के हवाले कर रही हैं। भारत में भी आईटी सेक्टर की 10 फीसदी नौकरियों पर ऑटोमेशन यानी खुद काम करने वाली मशीनों के कारण खत्म होने का खतरा मंडरा रहा है। इंफोसिस के पूर्व अधिकारी टीवी मोहनदास पई भी कह चुके हैं कि फिलहाल हर साल दो से ढाई लाख नौकरियां पैदा कर रहे आईटी सेक्टर से हर साल 25 से 50 हजार नौकरियां एआई जनित ऑटोमेशन के कारण खत्म हो जाएंगी। वैज्ञानिक स्टीफन, मशहूर कारोबारी एलन मस्क और माइक्रोसॉफ्ट के मालिक बिल गेट्स तक मानते हैं कि आने वाले वक्त में इंसानों को एआई से लैस सुपर–स्मार्ट मशीनों से चुनौती मिल सकती है। एआई की मदद से जब बेहद अक्लमंद मशीनें तैयार हो जाएंगी– तो ज्यादातर कारोबारी इंसानों के स्थान पर चौबीसों घंटे तैनात रहने वाली एआई–मशीनों पर निर्भर होना पसंद करेंगे। हालांकि हो सकता है कि इसमें आगे चलकर स्थिरता आए और एआई के जानकारों की बदौलत नई नौकरियों का सृजन हो। कुछ क्षेत्रों में अभी से एआई के बेशुमार फायदे नजर आने लगे हैं। जैसे चिकित्सा विज्ञान के विकास में इसके सकारात्मक इस्तेमाल की बहुत–सी संभावनाएं हैं। यही वजह रही कि जब वर्ष 2023 में ब्रिटेन ने 'एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन' का आयोजन किया था, तो वहां के तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक एआई को बहुतेरे क्षेत्रों में मददगार तकनीक के रूप में देखने और सतर्क ढंग से इसके इस्तेमाल की वकालत करते नजर आए थे। ध्यातव्य है कि यदि किसी तकनीक के फायदे–नुकसान की तस्वीर साफ होने से पहले ही उसे खलनायक मान लिया जाता तो परमाणु ऊर्जा से लेकर कंप्यूटर–इंटरनेट जैसे असंख्य आविष्कार मानवता की सेवा और बेहतरी का वह काम कभी नहीं कर पाते, जैसा कि वे आज कर रहे हैं। हालांकि, एआई की समस्याएं कुछ दूसरी हैं। जैसे, इससे ऐसी नकल का खतरा बढ़ा है जो असल की पहचान मुश्किल कर दे। इसका साइबर फ्रॉड में जो इस्तेमाल हो रहा है, वह चिंता की बात है। इससे कॉपीराइट के जो मुद्दे पैदा हुए हैं, उनकी अनदेखी करना अनुचित है। इसके जरिए निजी डेटा चुराने की जो चुनौतियां पैदा हुई हैं, हमारे सिरदर्द की असल वजह उन्हें होना चाहिए। शिक्षा में साहित्यिक चोरी को एआई ने जैसे पांव लगाए हैं, उसने मौलिकता की जरूरत मानो खत्म कर दी है– वह गलत परंपरा है। फिलहाल इन समस्याओं का समाधान एआई के विभिन्न इंतजामों (टूल्स) पर पाबंदी के रूप में देखा जा रहा है। जैसे दुनियाभर के विश्वविद्यालय छात्रों की पढ़ाई और परीक्षा संबंधी आकलन–मूल्यांकन में एआई टूल्स को खारिज करने के लिए इनके इस्तेमाल को प्रतिबंधित कर रहे हैं। पर क्या ये उपाय एआई से पैदा समस्याओं का तोड़ हैं। हमारा जवाब है– नहीं। इसका प्रबंध एआई के इस्तेमाल संबंधी सख्त और प्रभावी कानून बनाने से होगा। एआई से अगर डीपफेक सामग्री बनाई जाती है, तो ऐसा करने वालों की धरपकड़ करना और उन्हें दंड देना ज्यादा सही है।

दूसरों से नहीं खुद से करें प्रतिस्पर्धा

हरीश मलिक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के आठवें संस्करण में सामूहिक संवाद के बजाय ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से बच्चों के मन में उथल–पुथल मचा रहे सवालों के बड़ी सहजता से जवाब दिए। कहा गया कि इसमें देश के 3.30 करोड़ छात्र, 20 लाख शिक्षक और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक जुड़े। यह अब तक का सार्वकालिक रिकॉर्ड है। इसका महत्व इसलिए है क्योंकि आने वाले दिनों में ही सीबीएसई, आईसीएसई और राज्यों के बोर्ड्स की परीक्षाएं होने जा रही हैं। पीएम ने स्ट्रैस मैनेजमेंट और डिप्रेशन पर भी अपनी बात बेहद प्रभावी रूप से रखी। दरअसल, एनसीआरबी के आंकड़ों के आधार पर 'छात्र आत्महत्या रू भारत में महामारी' रिपोर्ट आईसी 3 संस्थान के वार्षिक सम्मेलन और एक्सपो 2024 में लॉन्च की गई थी। इसमें यह चिंताजनक खुलासा हुआ कि देश में जनसंख्या वृद्धि से अधिक छात्र आत्महत्या की दर है। देश में जिस दर से जनसंख्या बढ़ रही है, उससे अधिक तेजी से छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। 2021 और 2022 के बीच छात्रों की आत्महत्या में कुछ कमी आई, जबकि छात्राओं की आत्महत्या में वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले दो दशकों में छात्रों की आत्महत्या की दर 4 प्रतिशत की खतरनाक वार्षिक दर से बढ़ी है, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुनी है। रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश वो राज्य हैं, जहां छात्र सबसे ज्यादा आत्महत्या करते हैं। यहां जितने छात्र आत्महत्या करते हैं वह देश में होने वाली कुल छात्र आत्महत्याओं का एक तिहाई हिस्सा है। सबसे प्रमुख बात छात्रों की आत्महत्याओं के पीछे सबसे अहम कारण अवसाद, निराशा और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा है। यही वजह है कि 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान सबसे ज्यादा फोकस स्ट्रैस मैनेजमेंट, डिप्रेशन, शिक्षकों और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा और विद्यार्थियों को मनचाहा खुला आसमान देने पर हुई। कहा गया कि सभी को स्ट्रैस और टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करना चाहिए। लिखने की आदत डालनी चाहिए। छात्रों को खुलकर अपनी बात कहने के अधिक से अधिक अवसर देने चाहिए। मन को शांत रखना चाहिए। केवल किताबी कीड़ा नहीं बनना चाहिए। रोबोट नहीं बल्कि इंसान बनना चाहिए और पूरी नींद लेनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह रहा कि बच्चों को दूसरों से नहीं, बल्कि स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। जब हम स्वयं से प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है। दूसरों से तुलना करने पर नकारात्मकता आती है। नकारात्मकता निराशा और डिप्रेशन बढ़ाती है। इसलिए अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने से सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज के समय में बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के भारी बोझ तले दबाने में घर, परिवार, पैरेंट्स, समाज, शिक्षा केंद्र और सोशल मीडिया की नकारात्मक भूमिका है। पहले के समय में 10वीं–12वीं में 60 फीसदी अंक लाने वाला विद्यार्थी भी 'हीरो' होता था। लेकिन आज हालात यह हैं कि 90 प्रतिशत अंक भी कम लगने लगे हैं। अब प्रतिस्पर्धा 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और विशेष रूप से उनके अभिभावकों के बीच बढ़ने लगी है। कुछ माता–पिता ने तो इसे अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया है। जिसके कारण वे बच्चों पर अत्यधिक दबाव डालते हैं। प्रधानमंत्री ने सही कहा है कि बच्चों को प्रेशर कुकर की तरह दबाव में रखना अब अभिभावकों और शिक्षकों की सामान्य प्रवृत्ति बन गई है। कई बार अभिभावक मार्गदर्शन देने के बजाय अपनी इच्छाएं और अधूरी आकांक्षाएं बच्चों पर थोपने लगते हैं। कुछ बच्चों का कोमल मन इस दबाव को सहन नहीं कर पाता, जिससे वे अवसाद में चले जाते हैं या आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठा लेते हैं। बच्चों की आपसी तुलना से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उनमें हीनभावना उत्पन्न हो सकती है। माता–पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चों को सिखाएं कि 24 घंटे का सही प्रबंधन कैसे किया जाए।

स्वास्थ्य

दिमाग के लिए टॉनिक है अच्छी आदतें

व्यायाम की बेहतर आदत

अक्सर हम अनजाने में अपने दिमाग पर अतिरिक्त बोझ डालते रहते हैं। धीरे–धीरे यह एक आदत बनकर दिमाग को थका देता है। यदि आप इसे नजरअंदाज करते रहे, तो आपका दिमाग बेवजह भरता रहेगा, जो न तो सही काम करेगा और न ही तरोताजा रहेगा। तो क्यों न जीवनशैली, सोचने के ढंग व आदतों को सुधारकर दिमाग को

स्वस्थ रखने की दिशा में कदम उठाएं।

दीप्ति अंगरीश

हम सभी जानते हैं कि धूम्रपान, शराब और ड्रग्स जैसी आदतें हमारी सेहत के लिए खतरनाक हैं, लेकिन कुछ साधारण आदतें मस्तिष्क के लिए भी उतनी ही हानिकारक हो सकती हैं। यदि इन आदतों को समय रहते सुधारा न जाये, तो ये आपके दिमाग को थका सकती हैं। तो आइए, जानते हैं कैसे आप अपनी आदतों में सुधार करके अपने दिमाग को फिट और ताजगी से भरपूर रख सकते हैं रू

पर्याप्त नींद न लेना

आजकल कई लोग अपने काम के दबाव में नींद को नजरअंदाज करते हैं, लेकिन यह आदत मस्तिष्क की सेहत के लिए बहुत हानिकारक हो सकती है। पर्याप्त नींद न लेने से संज्ञानात्मक गिरावट, याद्दाश्त की कमी, मूड स्विंग्स और यहां तक कि डिमेंशिया जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए नींद को प्राथमिकता दें और अपने दिमाग को तरोताजा रखें। विज्ञान के अनुसार, प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को 6–7 घंटे की नींद लेनी चाहिए। यह भी कि आप दिन भर काम करें ताकि बिस्तर पर जाते ही आपको नींद आ जाए।

अकेले रहने की आदत

अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। अगर आप लगातार अकेले रहते हैं, तो यह अवसाद, चिंता और डिमेंशिया जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना जरूरी है। इंसान एक सामाजिक प्राणी है और जुड़ाव से मानसिक शांति मिलती है। सरोकार बनाने व बातचीत में पहल करें। यह खुद को मानसिक रूप से फिट रखने का एक तरीका है, जो आपको स्ट्रेस फ्री रखेगा। यानी बीमारियां पास भी नहीं आएंगी।

अपनाएं स्वस्थ जीवनशैली

अगर आप दिनभर बैठकर काम करते हैं और शारीरिक गतिविधियों से दूर रहते हैं, तो इससे मोटापा, हृदय रोग और डायबिटीज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ये सभी स्वास्थ्य समस्याएं मस्तिष्क को भी प्रभावित करती हैं और डिमेंशिया का खतरा बढ़ाती हैं। इसलिए नियमित व्यायाम करें और सक्रिय रहें, ताकि आपका दिमाग भी ताजगी महसूस करे। हर आधे घंटे के बाद सीट से उठना उपयुक्त होगा। यह छोटी ब्रेक आपको तरोताजा कर देगी। यानी दिमाग और शरीर, दोनों फिट।

हेल्दी खानपान

गलत आहार से गट–ब्रेन अक्ष प्रभावित हो सकता है, जिससे मूड और व्यवहार में बदलाव हो सकता है। यह न्यूरोइंफ्लेमेटरी समस्याओं का कारण बन सकता है, जिससे स्ट्रोक और डिमेंशिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। संतुलित और पौष्टिक आहार अपनाएं, ताकि आपका दिमाग हमेशा स्वस्थ और सक्रिय रहे। जहां भी जाएं, अपने बैग में लो कैलोरी स्नैक्स रखें, जैसे– मखाने, सूखे मेवे, मोटे अनाज के बिस्कुट आदि।

पर्याप्त धूप लें

विटामिन डी की कमी से मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, और यह सर्केडियन रिदम को बिगाड़ सकता है, जिससे नींद और मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए सूरज की रोशनी में समय बिताएं, ताकि आपका दिमाग और शरीर दोनों स्वस्थ रहें।

तनाव से दूर रहें

अत्यधिक काम से शारीरिक–मानसिक तनाव बढ़ता है। इसलिए काम और आराम के बीच संतुलन बनाकर सेहत का ध्यान रखें। सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसे पढ़ाई, कैरियर, और अपने प्रियजनों से जुड़े रहने के लिए संतुलित रूप से उपयोग करें।

सोने से पहले की तैयारी

अच्छी रात की आदतें आपके अगले दिन की सफलता को सुनिश्चित करने में मदद करती हैं। दिमाग को ताजगी देती हैं। बिस्तर पर सोने जाने से 30 मिनट पहले कुछ तैयारी करें। इसमें शामिल हैं अगले दिन की तैयारी, अगले दिन की योजनाओं को व्यवस्थित करें, कपड़े आयरन करें, टू–डू लिस्ट बनाएं । इस आदत से आपको सुबह तनाव नहीं होगा।

लेखा–जोखा

बिस्तर पर जाने से 20 मिनट पहले आप अपनी सोच का लेखा–जोखा करें। आपने दिनभर क्या सीखा, क्या अच्छा किया और क्या सुधार की आवश्यकता है, इसे डायरी में लिखें।

लेटने के बाद जतायें आभार

आखिरकार, भगवान और अपने माता–पिता का आभार व्यक्त करें। यह आदत आपके मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त करती है और आपके जीवन को खुशहाल बनाती है।

त्रिदोष नाशक हेल्दी हल्दी

आयुर्वेद में हल्दी के सैकड़ों तरह के औषधीय उपयोग हजारों सालों से मौजूद हैं। खास तौर से कच्ची हल्दी बहुत गुणकारी मानी गयी है जिसे जड़ी बूटी की तरह भी इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हल्दी में मौजूद करक्यूमिन ऐसा सक्रिय यौगिक है, जिसमें जबर्दस्त औषधीय विशेषताएं होती हैं। शायद इसीलिए हजारों सालों से हल्दी हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठानों का भी हिस्सा है। आयुर्वेद में हल्दी को त्रिदोष नाशक माना गया है। बहुत कम ऐसी चीजें होती हैं जिनमें वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की क्षमता होती है। जानिये सेहत के लिए लाभकारी हल्दी के औषधीय गुण।

सूजन में राहतकारी

जिन्हें सूजन से संबंधित परेशानियां होती हैं जैसे गठिया आदि में, तो अपने एंटीइंफ्लेमेट्री गुण के कारण हल्दी सूजन की परेशानी से उन्हें राहत पहुंचाती है। दरअसल हल्दी ने जबर्दस्त एंटीऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है, जो शरीर को फ्री–रेडिकल्स से बचाती है और त्वचा तथा शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ बनाये रखती है। हल्दी दिमाग की सूजन को कम करती है, इसलिए यह याद्दाश्त सुधारने में भी सहायक होती है।

हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है, जिस कारण यह हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती है। ऐसे में नियमित तौर पर किसी न किसी रूप में हल्दी का उपयोग खाने में करना चाहिये। हल्दी लिवर को डिटॉक्स करने में और इसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होती है।

पाचन में सुधार

हल्दी के सेवन से पाचन में सुधार होता है। यह गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में बेहद फायदेमंद है। वहीं हल्दी दूध या काढ़े के रूप में गले की खराश और सर्दी में फायदेमंद होती है। जिन्हें लगातार अपच, एसिडिटी और पेट दर्द की शिकायत रहती हों, उन्हें अदरक के साथ मिलाकर कच्ची हल्दी भूनकर चूसना चाहिए या दांतों से चबाकर उसका रस पीना चाहिए। इससे पेट संबंधी ये सारी शिकायतें खत्म हो जाती हैं।

त्वचा को फायदे

कहीं कट–फट जाए तो हल्दी का पेस्ट ऐसे घावों और संक्रमण को तेजी से ठीक करने में मददगार होता है। जो घाव लंबे समय से भर न रहा हो, उसमें शुद्ध शहद में हल्दी के पाउडर को मिलाकर लेप करना चाहिए। वहीं हल्दी दाग, धब्बों और मुहांसों तथा त्वचा संबंधी दूसरी परेशानियों को दूर करती है।

गंभीर रोगों में भी उपयोग

हल्दी रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रण करने में मदद करती है। इसमें पाया जाने वाला यौगिक करक्यूमिन कैंसररोधी माना जाता है। हल्दी का पेस्ट त्वचा की जलन, खुजली, एग्जिमा और सोरायसिस जैसी समस्याओं में फायदेमंद होता है।

रस का सेवन

डायबिटीज की समस्या में कच्ची हल्दी के रस का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि यह इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाती है। हल्दी रक्त में कोलेस्ट्रोल के स्तर को भी नियंत्रित करती है। वहीं जिन्हें अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की समस्या हो, उन्हें हल्दी का सेवन करना चाहिए।

रोजमर्रा में इस्तेमाल

जब हम बहुत थके होते हैं या बहुत ज्यादा पैदल चलकर थकान से चकनाचूर हो रहे होते हैं, उस समय हमें हल्दी के पाउडर को गर्म दूध में मिलाकर गर्मागर्म पी लेना चाहिए। उससे थकान से तो राहत मिलती ही है, सर्दी से भी राहत मिलती है और संक्रमण के कारण पैदा हुई खांसी भी दूर हो जाती है। हल्दी के उबटन का नियमित रूप से त्वचा में इस्तेमाल करने से त्वचा साफ सुथरी होकर निखर आती है। अगर किसी व्यक्ति को रह रहकर संक्रमण हो जाता हो, थोड़ी सी गर्मी या थोड़ी सी सर्दी में जुकाम घेर लेती हो, ऐसे शख्स को अदरक, तुलसी और शहद के साथ हल्दी का इस्तेमाल काढ़े के रूप में करना चाहिए। हल्दी अद्भुत जड़ी–बूटी है, जिसका हर एक हिस्सा जिंदगी के ज्यादातर मौकों में बेहद उपयोगी होता है। कच्ची हल्दी, पाउडर, पत्तियां भी अनेक तरह से हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में कारगर हैं।

गोलोकवासी आचार्य सत्येंद्र दास को अयोध्या विधायक ने किए श्रद्धासुमन अर्पित, रहे अंतिम यात्रा में शामिल

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या – नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने गोलोकवासी आचार्य सत्येंद्र दास की अंतिम यात्रा से पूर्व उनके आवास पहुंच कर पार्थिव शरीर के दर्शन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने रामलला के मुख्य पुजारी के निधन को राष्ट्र और

सनातन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। नगर विधायक ने हृदयतल से अपार दुख वक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि 32 वर्षों से लगातार रामलला के सेवक रहे मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास जी के निधन से अयोध्या सहित पूरे देश में अनुयायियों में शोक की लहर है। आचार्य सत्येंद्र दास का पीजीआई लखनऊ में कल निधन हो गया था। आज उनके पार्थिव शरीर का शोभा यात्रा के रूप में अयोध्या नगर भ्रमण पश्चात रामानंदी संप्रदाय की परंपरा के अनुरूप सलिल सरयू नदी में जल समाधि दी जाएगी।

अयोध्या क्रिकेट एकडमी का विजयी अभियान शुरु

(डॉक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्पोर्टस स्टेडियम मकबरा में चल रहे स्व0 राकेश चन्द्र कपूर 'पल्लू भईया' मेमोरियल अयोध्या प्रीमियर ली–10 अयोध्या मार्बल कप के चौथे दिन दो लीग मैच खेला गया। आज के दिन के मुख्य अतिथि दानिश अंसारी का स्वागत केन्द्रीय दुर्गापूजा समिति के संयोजक गगन जायसवाल ने माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेटकर किया और विशिष्ट अतिथि के रुप में शमीम खान का स्वागत भाजपा नेता देवेन्द्र मिश्रा दीपू ने माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेट कर किया। दिन का पहला व ग्रुप ए के लीग चरण का आखिरी मैच लाइन इलेवन व किंगस्टार के बीच खेला गया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लाइन इलेवन की टीम ने 19.3 ओवर में 109 रन पर ऑलआउट हो गई लाइन इलेवन के बल्लेबाज विकास तिवारी ने 13 गेद पर तीन चौके की मदद से 22 रन व मनोज सिंह ने 12 गेंद पर दो चौको की मदद से 14 रन बनाए। वही किंगस्टार के गेदबाज शत्रुंजय ने 23 रन देकर 3 विकेट और वैभव शुक्ला ने 26 रन देकर 2 विकेट हासिल किये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी किंगस्टार की टीम ने 14 वे ओवर में 9 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया किंगस्टार के बल्लेबाज विनोद यादव ने 40 गेंद पर 8 चौको की मदद से 50 रन बनाए व शिवेन्द्र ने 32 गेंद पर 8 चौके व 1 छक्के की मदद से 44 रन बनाए लाइन इलेवन के गेंदबाज प्रद्युमन यादव ने 1 विकेट हासिल किया। आज के खेल में खेलन आए अयोध्या जिले के कोछा बाजार के खिलाडी राधिका प्रसाद यादव जो कि भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम की तरफ से अभी श्रीलंका की टीम को हरा कर आये है उनका स्वागत आयोजन सचिव सुप्रीत कपूर व निदेशक सैय्यद जुबहानी ने मेडल पहनाकर किया दिन का दूसरा मैच व ग्रुप बी का पहला मैच अयोध्या क्रिकेट एकडमी व एकता क्लब के बीच खेला गया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अयोध्या क्रिकेट एकडमी ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 121 रन बनाए अयोध्या क्रिकेट एकडमी के टीम के बल्लेबाज उत्कर्ष सिंह ने 3 चौके की मदद से 47 रन व प्रतीक ने 2 चौके की मदद से 15 रन बनाए वही एकता क्लब के गेदबाज धनंजय सिंह ने 25 रन देकर 3 विकेट और प्रियाशु यादव व मनु विक्रम सिंह ने 2–2 विकेट हासिल किये लक्ष्य का पीछा करने उतरी एकता क्लब 103 रन पर ही ऑलआउट हो गई। एकता क्लब के बल्लेबाज मनु विक्रम सिंह ने 30 गेंद पर 3 चौके व 1 छक्के की मदद से 28 रन और शारीक जमील ने 23 रन बनाए अयोध्या क्रिकेट क्लब के गेंदबाज राधिका प्रसाद यादव ने 21 रन देकर 3 विकेट व अभिषेक सिंह ने 22 रन देकर 3 विकेट हासिल किये इस मैच के मैन आफ द मैच राधिका प्रसाद यादव को दिया गया। मीडिया प्रभारी मनोज तिवारी ने बताया कि इस मौके पर सैय्यद आसिफ, अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव, रोहित अग्रवाल, शोभित कपूर, पंकज तिवारी, अंकुश गुप्ता, विवेक साहू, मो0 सादिक, मो0 हमजा, बिलाल, सचिन सरीन आदि मौजूद रहें।

छात्रा को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म,दो नामजद

अयोध्या। इनायतनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में रह रही 17 वर्षीय एक छात्रा को अगवा करके सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है।पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज करके हिरासत में लिया है।वहीं पीडित छात्रा का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।बताते चले कि इनायतनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीय छात्रा अपने ननिहाल में रहकर क्षेत्र के एक डिग्री कॉलेज में पढ़ाई करती है।सोमवार की सुबह करीब 09रू30 बजे वह घर से कॉलेज में फीस जमा करने के लिए निकली थी।रास्ते में आरोप के मुताबिक अछोरा निवासी मोनू सिंह और मंजीत ने उसे अगवा करके उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान दोनों युवकों ने उसकी पिटाई की।हालत बिगड़ने पर दोनों युवक उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां उसे बेहोशी की हालत में भर्ती कराया और शाम करीब 04रू30 बजे छात्रा के मोबाइल फोन से ही उसके मामा को सूचित करके दोनों युवक फरार हो गए।होश में आने के बाद छात्रा ने परिजनों से आपबीती कही तो उन्होंने इनायत नगर थाने में सोमवार को ही तहरीर दी थी।बुधवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।वहीं, छात्रा के परिजनों ने आरोप लगाया कि युवकों ने छात्रा से 3200 रुपये भी छीन लिए, जिसे वह फीस जमा करने के लिए घर से निकली थी।इस संबंध मे प्रभारी थानाध्यक्ष जनार्दन सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सबको जोड़कर चलेंगे तभी श्रेष्ठ बनेंगे - कलराज मिश्र

पीयू में नव भारत के निर्माण में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार विषयक संगोष्ठी का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,13 फरवरी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नव भारत के निर्माण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार विषयक संगोष्ठी का आयोजन गुरुवार को रज्जू भईया संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में किया गया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि सबको जोड़कर चलेंगे तभी श्रेष्ठ बनेंगे. इसी विचारधारा से आज हमारा देश निरंतर आगे बढ़ रहा है. पंडित जी के एकात्म मानववाद और अंत्योदय में यह धारणा समाहित रहीं. पंडित दीन दयाल जी अध्ययन के दौरान ही अपनी कक्षा के कमजोर विद्यार्थियों को पढ़ाते थे. कमजोरों के प्रति उनकी संवेदनशीलता बचपन से ही रही. उन्होंने कहा कि पारिवारिक स्थिति ठीक ना होने के बाद भी देश के प्रति समर्पण का भाव रहा और नौकरी न करने का निर्णय लेकर उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज को समर्पित कर दिया।प्रारंभ से ही सामूहिकता की भावना के साथ विपन्न लोगों में आत्मविश्वास पैदा करने का निरंतर कार्य किया. उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन ज्ञान को जोड़कर नए भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका अदा कर रही है।आधुनिक और प्राचीन ज्ञान के समन्वय के साथ अगर काम किया जाए तो हम दुनिया में सबसे आगे रहेंगे और यही पंडित जी का विचार रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश का मेधा स्टार्टअप के माध्यम से देश की तस्वीर को बदल रहा है पहले नौकरियां और अवसर न उपलब्ध होने के कारण लोग विदेश की तरफ रुख करते थे लेकिन अब विदेशों से आकर भारत में नए स्टार्टअप के माध्यम से देश की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं. उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आत्मसात करने और उनके सिद्धांतों के माध्यम से नवभारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया. अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन संघर्ष से आज के युवा प्रेरणा ले और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका अदा करें. उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत की मुहिम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को धरातल पर उतार रही है. संगोष्ठी के बीज वक्ता दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मिश्रा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने देश की आर्थिक नीति कर व्यवस्था किसने की खेती की स्थिति कैसी हो सामाजिक संरचना कैसी हो नीचे के लोगों को ऊपर कैसे लाया जाए इन सब पर दूर दृष्टि के साथ कार्य किया. अपने संबोधन में श्री मिश्र ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का चिंतन केवल राजनीतिक नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, समाज और अर्थव्यवस्था के उत्थान का मार्गदर्शक है. संगोष्ठी के संयोजक एवं शोधपीठ अध्यक्ष प्रो. मानस पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का चिंतन भारतीय संस्कृति समाज और राजनीति को नई दिशा देने वाला है. दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शशि मिश्र मंचासीन रहे. कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. अनुराग मिश्र ने किया।

डीआईओएस सहित आधा दर्जन से अधिक गठित सचल दल बोर्ड परीक्षा के दौरान नकल माफियाओं पर कसेगी शिकंजा – अवनीश पांडे

अयोध्या। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित 24 फरवरी से हाई स्कूल व इंटर की बोर्ड परीक्षा प्रारंभ होने जा रही है।बोर्ड परीक्षा के दौरान नकल माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह के निर्देश पर शिक्षा विभाग आधा दर्जन से अधिक सचल दलों का गठन किया हुआ है।सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे ने बताया कि हाई स्कूल व इंटर बोर्ड परीक्षा को सकुशल तथा नकल माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन तिवारी सहित आधा दर्जन से अधिक शिक्षा अधिकारियों के नेतृत्व में अलग–अलग टीम में गठित की गई है।जो परीक्षा के दौरान इन नकल माफियाओं पर अंकुश लगाएगी। बताया कि इन सचल दलों में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी के अलावा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय,सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में तैनात वित्त एवं लेखा अधिकारी अनुपम कुमार, प्रधानाचार्य जीजीआईसी रुदौली आफरीन फात्मा,प्रधानाचार्य अयोध्या ओंकार नाथ शामिल है। इसके अलावा राजकीय हाई स्कूल कहुआ अयोध्या के प्रधानाचार्य राम जी राय को भी सचल दल में शामिल किया गया है। प्रभारी बोर्ड परीक्षा प्रदीप कुमार ने बताया कि इस बार हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में कुल 79206 बालक बालिकाएं संस्थागत व व्यक्तिगत रूप में परीक्षार्थी के रूप में शामिल हो रहे हैं। जिसमें हाई स्कूल में 39713 तथा इंटर में 39493 छात्र शामिल होंगे।

कार्डियक अरेस्ट में सीपीआर देकर बचाई जा सकती है मरीज की जान - डॉ अरविन्द खरे

अयोध्या। कोरोना काल के अलावा हर मौसम में हार्ट अटैक के मामलों में काफी वृद्धि हुई है।इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आए दिन सोशल मीडिया या फिर समाचार पत्रों के माध्यम से यह सुनाई देता है कि नृत्य, व्यायाम, बाइक आदि चलाते समय व्यक्ति की गिरकर मृत्यु हो गई।इसका मुख्य कारण चिकित्सक जिसे दिल का दौरा पड़ना बताता है।हार्ट अटैक के दौरान अगर समय रहते मरीज को नजदीकी व हृदय रोग विशेषज्ञ के नही ले जाया गया तो उसकी मौत भी सकती हैं।इस संबंध मे शहर के प्रसिद्ध अमर हॉस्पिटल के निदेशक डॉ अरविंद खरे ने बताई।बताया कि अगर जिसको हार्ट अटैक आये तो उसके जीवन के लिए पहला तीन मिनट गोल्डन समय है।अगर देखा जाए तो कोरोना काल के बाद से कार्डियक अरेस्ट के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है।बताया कि आजकल अधिकतर व्यायाम और नृत्य करते समय भी लोगों को दिल का दौरा पड़ रहा है।ऐसी घटनाओं में देश के विभिन्न हिस्सों में कई लोगों की जान भी जा चुकी है।ऐसे समय में सीपीआर देने की जानकारी अधिक से अधिक लोगों को होनी चाहिए।बताया कि कार्डियक अरेस्ट के मरीज के लिए पहला तीन मिनट गोल्डन टाइम होता है।अगर नौ मिनट तक मस्तिष्क को ऑक्सीजन नहीं मिले तो व्यक्ति ब्रेन डेथ का शिकार हो सकता है।उस समय मरीज को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) दिया जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है।इसी कड़ी में डॉ गौरव श्रीवास्तव व डॉक्टर रिद्धिमा श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से बताया कि सीपीआर एक मेडिकल थेरेपी की तरह है।इससे हार्ट अटैक आने पर मरीज को सीपीआर देते हुए अस्पताल पहुंचाया जाता है।सीपीआर तब तक देते रहना चाहिए जब तक एंबुलेंस न आ जाए या मरीज अस्पताल या विशेषज्ञ चिकित्सक के पास नहीं पहुंच जाए।ऐसा करने से मरीज के बचने की संभावना बहुत बढ़ जाती है।उन्होंने बताया कि अगर व्यक्ति की सांस सा धड़कन रुक गई है तो ऑक्सीजन की कमी से शरीर की कोशिकाएं बहुत जल्द खत्म होने लगी है। इसका असर मस्तिष्क पर भी पड़ता है।सही समय पर सीपीआर और इलाज शुरू नहीं होने पर व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। इस विधि से व्यक्ति की सांस वापस लाने तक या दिल की धड़कन सामान्य हो जाने तक छाती को विशेष तरीके से दबाया जाता है।डॉ अजय तिवारी ने बताया कि सीपीआर के लिए सबसे पहले पीड़ित को किसी ठोस जगह पर लिटा दिया जाता है और प्राथमिक उपचार देने वाला व्यक्ति उसके पास घुटनों के बल बैठ जाता है।उसकी नाक और गला चेक कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उसे सांस लेने में कोई रुकावट तो नहीं है।इसके बाद अपने दोनों हाथों की मदद से विशेष तरीके से एक मिनट में 100 से 120 बार छाती के बीच में तेजी से दबाना होता है। हर एक पुश के बाद छाती को वापस अपनी सामान्य स्थिति में आने देना चाहिए।इससे शरीर में पहले से मौजूद रक्त को हृदय पंप करने लगता है।30 बार पुश करने के बाद मुंह पर साफ रूमाल रखकर दो बार सांसें दी जाती हैं। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह शुरू होता है और मस्तिष्क को ऑक्सीजन मिलने लगती है। डाक्टर अमित तिवारी ने बताया कि कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एक आपातकालीन प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति की सांस या दिल के रुकने पर उसकी जान बचाने में मदद कर सकती है। जब किसी व्यक्ति का दिल धड़कना बंद कर देता है, तो उसे कार्डियक अरेस्ट कहते हैं। कार्डिएक अरेस्ट के दौरान हृदय, मस्तिष्क और फेफड़ों सहित शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त पंप नहीं कर सकता है। इस दौरान इलाज नहीं मिलने पर मिनटों में ही व्यक्ति की मौत हो सकती है।उन्होंने बताया कि जब दिल तक खून पहुंचना बंद होने की स्थिति को हार्ट अटैक कहा जाता है। दरअसल, कोलेस्ट्रॉल और फैट के कारण अक्सर दिल तक खून ले जाने वाली धमनी में खून का प्रवाह रुक जाता है और इसके कारण दिल तक खून नहीं पहुंच पाता है।धमनी ब्लॉक होने की वजह से ऑक्सीजन भी इस तक नहीं पहुंच पाती है।हालांकि ऐसी स्थिति में दिल की कार्यप्रणाली बरकरार रहती है यानी कि इंसान का दिल धड़कना बंद नहीं होता है।चिकित्सकों के मुताबिक कार्डियक अरेस्ट उस स्थिति में होता है जब कार्डियक कार्यप्रणाली अचानक रुक जाती है यानी दिल धड़कना बंद कर देता है। इस दौरान फेफड़ों, दिमाग और अन्य महत्वपूर्ण अंगों तक खून पहुंचना रुक जाता है और प्रभावित व्यक्ति की तुरंत मृत्यु हो जाती है।कई बार हार्ट अटैक आने की वजह से भी अचानक कार्डियक अरेस्ट हो सकता है।ऐसी इमरजेंसी में मरीज को सीपीआर और डिफाइब्रिलेटर से बिजली के झटके दिए जाते हैं।जिससे मरीज की जान बच सके।

'एक्सपीरियो / एक्सपीरियन कैपिटल' कार्निवल अब मार्च 2025 में बड़े और बेहतरीन अनुभव के साथ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एक्सपीरियन डेवलपर्स आगामी ष्एक्सपीरियो / एक्सपीरियन कैपिटलष कार्निवल के बारे में एक महत्वपूर्ण अपडेट साझा करना चाहते हैं। लखनऊ की भावना का यह जीवंत उत्सव 14–16 फरवरी को निर्धारित किया गया था, लेकिन अब यह मार्च 2025 में होगा। इससे लखनऊवासियों के लिए और भी अधिक यादगार अनुभव सुनिश्चित होगा। हम जल्द ही नई तारीखों की घोषणा करेंगे। एक्सपीरियन में हम कार्यक्रम की नई तारीखों को उत्सव को और अधिक बेहतर तरीके से मनाने के अवसर के रूप में देखते हैं। जब समुदाय एक साथ बढ़ते हैं तो शहर फलते–फूलते हैं, और हम इस अतिरिक्त समय का उपयोग हर विवरण को और बेहतर करने के लिए कर रहे हैं – पाक कला के विस्तार से लेकर नए सांस्कृतिक अनुभवों को तैयार करने तक। हम लखनऊवासियों के जबरदस्त उत्साह की सराहना करते हैं और ऐसे पल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारी साझा आकांक्षाओं को दर्शाते हैं। इस कार्निवल की धड़कन – भोजन, कला और हंसी के माध्यम से विविध आवाजों को जोड़ने की इसकी शक्ति – पहले से कहीं अधिक मजबूत है।

संस्कार भारती जौनपुर द्वारा भारतीय नाट्यशास्त्र के प्रणेताआचार्य भरत मुनि की जयंती मनाई गई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। जनपद की सांस्कृतिक व साहित्यिक क्षेत्र की अग्रणी संस्था संस्कार भारती जौनपुर द्वारा दिनांक 12 फरवरी माघ पूर्णिमा के शुभ अवसर पर भारतीय नाट्यशास्त्र के रचयिता आचार्य भरत मुनि जी की जयंती नवदुर्गा शिव मंदिर के प्रांगण में मनाई गई। इस कार्यक्रम में भरत मुनि जी को सभी ने पुष्पांजलि अर्पित किया तथा नाटक शास्त्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा की गई।हम अपने जीवन में उनके नाट्यशास्त्र से किस तरह से प्रभावित होते हैं यह बताया गया। कार्यक्रम में काशी प्रांत के महामंत्री से सुजीत श्रीवास्तव जी ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला तथा उनके द्वारा भारतीय नाट्यशास्त्र में किए गए अमूल्य योगदान को बताया। भरत मुनि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखित नाट्यशास्त्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है।यह कार्यक्रम संस्कार भारती के प्रमुख छह उत्सवों में से एक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष डॉ ज्योति दास जी ने किया, उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य भरत मुनि के नाट्य शास्त्र को पंचम वेद की संज्ञा दी गई है। नाट्य शास्त्र में भाव व रस का विशेष महत्व है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से बालकृष्ण साहू, राजेश किशोर जी, सुषमा गुप्ता जी, विष्णु गौड़ जी, आलोक रंजन जी, अतुल सिंह जी, मनीष अस्थाना जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन संस्कार भारती के नाट्य विधा प्रमुख श्री अवधेश श्रीवास्तव जी ने किया तथा कार्यक्रम में सम्मिलित सभी का आभार और धन्यवाद महामंत्री अमित गुप्ता अंशु ने किया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल द्धजूनियर ब्रांचत्र में वायला और वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन।

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। दिल्ली पब्लिक स्कूल, जूनियर ब्रांच गोमती नगर एक्सटेंशन, लखनऊ दिनांक १२६०२६२०२५ को वायला औरा वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें छात्र छात्राओ ने बढ़– चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत एस ई एफ एंथम और वाटर ऑफ प्लांटिंग से हुई। नर्सरी के बच्चों के द्वारा जंगल बुक थीम कार्यक्रम के द्वारा जानवरों और पेड़ों को बचाने की सीख दी गई। प्रेप के बच्चों के द्वारा ट्रॉल्स ,फ्रोजन, जादुई घोड़ा ,अरेबियन नाइट्स, रॉक बैंड कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। नन्हे मुन्नों ने अपनी प्रतिभा से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। कक्षा एक और दो के छात्र छात्राओं ने इफेक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी की वजह से जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाया, ए आई कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं ने मानव द्वारा बने रोबोट के जीवन को दर्शाया ,सूफी ने चारों ओर सुरमय वातावरण कर दिया,फिटनेस फ्रेंजी में क्रिकेट, वॉलीबॉल कराटे, स्केटिंग करने के करतब दिखाए गए, फील द इंडिया कार्यक्रम में भारत के राष्ट्रीय प्रतीक को दर्शाया गया, नदी की पुकार नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण को प्रेरित किया गया, सरकस से खुशियों के रंग बिखरे गए ,आर्ट के साथ तारे में दिव्यांग महान विभूतियों के प्रतिभा को दर्शाया गया । सभी कार्यक्रमों ने सभी के मन को मोहित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लखनऊ की मेयर साहिबा श्रीमती सुषमा खड़गवाल रही। दिल्ली पब्लिक स्कूल के सीएमडी सर मुख्तारुल अमीन, नौशीन मैम और विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य भी सम्मिलित हुए। विद्यालय की आदरणीया प्रधानाचार्या श्रीमती रूपम सलूजा ,उप प्रधानाचार्या श्रीमती बारबरा ऐनबोसी एवं हेड मिस्ट्रेस श्रीमती वरिंदर कौर की।

शासन द्वारा चलाए जा रहे सभी योजनाओं का लाभ महिलाओं को मिले - ऋतु शाही

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही की उपस्थिति में सर्किट हाउस मे जनसुनवाई के दौरान 38 प्रकरण प्राप्त हुये।जिसमें से उन्होंने 18 प्रकरणो का मौके पर निस्तारण किया।इसके अलावा शेष अन्य के लिए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, मार–पीट, पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार, पुलिस विभाग से सम्बंधित, कब्जे से सम्बंधित व दहेज उत्पीड़न व अन्य से सम्बंधित प्राप्त हुये। उन्होंने प्रत्येक आवेदन को बहुत ही गम्भीरता के साथ सुना।साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का भी लाभ उन्हें दिलाया जायेगा।इस मौके पर पत्रकारों से मुखातिब होते हुए राज्य महिला आयोग की सदस्य ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान जो भी पीड़ित महिलाएं आयी है।उनकी समस्याओं का तुरन्त निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। सम्बंधित विभाग के अधिकारियों से तत्काल वार्ता कर प्रकरण को निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके साथ ही बहुत सारे मामलों को आपसी वार्ता से भी निस्तारित कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही पीड़ित महिलाओं व उनके बच्चों के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है।जिससे पीड़ित पक्ष व उनके आश्रितों को किसी प्रकार की असुविधा न हों।उनके द्वारा कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में महिलाओं की सुनवाई जनपद स्तर व मुख्यालय स्तर पर गम्भीरता के साथ की जाती है। यदि पीड़ित को लग रहा है कि कार्यवाही धीरे चल रही है तो उसके लिए राज्य महिला आयोग उन पीड़ित महिलाओं के साथ है और राज्य महिला आयोग उनके लिए त्वरित कार्यवाही के लिए कार्य कर रहा है।जन सुनवाई के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं की सहायता करते हुये उनको न्याय दिलाना व उत्पीड़न से बचाना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्पीड़न से सम्बंधित प्रकरणों के सुनवाई एवं निस्तारण हेतु उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के सदस्यों द्वारा प्रत्येक जनपद में जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है, जिसमें महिला स्वयं उपस्थित होकर अपनी शिकायतें कर सकती है।

दिल्ली मैं डबल इंजन की ट्रेन क्यों हो रही लेट - खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष राजीव जोली खोसला ने आज कहा कि भारतीय जनता पार्टी के 8 तारीख को बंपर जीत मिली 70 में से 48 विधायक जीते मगर फिर भी 5 दिन गुजर जाने के बाद डबल इंजन सरकार का लाभ दिल्ली की जनता को नहीं मिल रहा क्या कारण है क्या पहला इंजन दूसरे इंजन को तय नहीं कर पा रहा कौन रफ्तार से चलेगा या आपसी में कहीं ना कहीं कुछ ना कुछ दाल में काला है खोसला ने कहा कि इतनी बंपर जीत से तो साथ के साथ ही दूसरा इंजन का नाम तय कर देना चाहिए था जो आज 5 दिन गुजर जाने के बाद भी दूर–दूर तक पता नहीं है भारतीय जनता पार्टी ने जो घोषणा की दिल्ली की जनता के प्रति उनका लाभ जनता को कैसे मिलेगा पिछले 10 वर्षों में जनता महंगाई बेरोजगारी, भ्रष्टाचारी, खाद्य पदार्थों में मिलावटी सामान का बिकना ,स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमराई हुई है शिक्षा का भी बुरा हाल है जिस तरफ देखो घोटाले ही घोटाले है सड़के गलियां टूटी पड़ी है कूड़े के ढेर लगता जा रहे हैं सरकार अपना ज्यादा पैसा विज्ञापनों पर खर्च करती हैं न जाने दिल्ली की जनता को इस से कब निजात मिलेगा पैंथर्स पार्टी पहले इंजन यानी मोदी जी से से निवेदन करती है शीघ्र दूसरे इंजन का नाम सार्वजनिक किया जाए जिससे जनता को डबल इंजन सरकार से लाभ मिले पुरानी सरकार द्वारा किए गए झूठे वादों से निजात भी मिले जिससे बच्चों का भविष्य अंधकार में है।

बोर्ड के निर्देशों का पूरी तरह से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये-मंगला प्रसाद

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज रसखान प्रेक्षागृह में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं इंटरमीडियेट परीक्षा 2025 की प्रशिक्षण बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि बोर्ड के निर्देशों का पूरी तरह से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लिया जाये। परीक्षा को शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया जाये। किसी भी दशा में नकल न होने दी जाये। निष्ठावान व ईमानदार कार्मिकों को लगाया जाये। केंद्रों पर जाकर कार्मिकों के साथ एक बैठक कर ली जाये। किसी के भी अनावश्यक दबाव को स्वीकार न किया जाये। परीक्षा के दौरान विद्यालय का एक ही प्रवेश द्वार खोला जाये। सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता सुनिश्चित की जाये। चेकिंग की अच्छी व्यवस्था बनाई जाये। केंद्र पर किसी घटना के होने पर सबसे पहले केन्द्र व्यवस्थापक की जवाबदेही तय की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक बाल मुकुंद प्रसाद ने बोर्ड द्वारा दिए गए निर्देशों के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में केन्द्र व्यवस्थापकों ने अपने सुझाव भी रखे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बीआईएस लखनऊ द्वारा प्लाईवुड उद्योगों के गुणवत्ता नियंत्रण कर्मियों के लिए कैप्सूल कोर्स का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) लखनऊ शाखा कार्यालय द्वारा प्लाईवुड उद्योगों में कार्यरत गुणवत्ता नियंत्रण कर्मियों के लिए एक विशेष कैप्सूल कोर्स का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम होटल सैवी ग्रैंड, गोमती नगर में संपन्न हुआ, जिसमें प्लाईवुड उद्योग से जुड़ी कई प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य प्लाईवुड निर्माण में भारतीय मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराना और उत्पाद की गुणवत्ता को बेहतर बनाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीआईएस लखनऊ शाखा कार्यालय के वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख सुधीर बिश्नोई ने की। उन्होंने प्लाईवुड निर्माण प्रक्रिया में सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता पर बल देते हुए स्टॉक की जानकारी, स्टॉक का पुनः परीक्षण, उत्पादन कार्यक्रम, निलंबन पत्र से संबंधित मुद्दे, निरीक्षण शुल्क और गुणवत्ता असफलता के मूल कारण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रत्येक लाइसेंसधारी को भारतीय मानकों के अनुसार अपने उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखना अनिवार्य है, जिससे उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और टिकाऊ उत्पाद मिल सके। बीआईएस के उप निदेशक जितेश कुमार ने अपने सत्र में आईएस 303 जनरल पर्पस प्लाईवुड और आईएस 710 मरीन प्लाईवुड की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के तरीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेजिन और चिपकने वाले पदार्थों के सही उपयोग तथा नमूनों की परीक्षण प्रक्रिया को विस्तार से समझाया, ताकि उद्योग जगत भारतीय मानकों के अनुसार उत्पाद तैयार कर सके और गुणवत्ता परीक्षण में सफल हो सके। कार्यक्रम में बीआईएस के उप निदेशक प्रणय अभय जैन ने प्लाईवुड लाइसेंस के निरस्तीकरण के प्रमुख कारणों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि यदि किसी उद्योग द्वारा भारतीय मानकों का पालन नहीं किया जाता है तो उसकी लाइसेंसिंग प्रक्रिया प्रभावित होती है और उसे रद्द भी किया जा सकता है। उन्होंने प्लाईवुड परीक्षण प्रक्रिया और लाइसेंस निरस्तीकरण नोटिस से जुड़े आवश्यक नियमों एवं प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रीनप्लाई, जोया इंडस्ट्रीज, न्यू दुआ इंडस्ट्रीज, ऑस्टिन प्लाईवुड, वुड फैब , वाफी, वुड प्राइम, जिंदल एग्रो इंडस्ट्रीज सहित कई प्रमुख प्लाईवुड कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित प्रतिभागियों ने अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया और गुणवत्ता सुधार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों का आदान–प्रदान किया। बीआईएस द्वारा आयोजित यह कैप्सूल कोर्स प्लाईवुड उद्योग में गुणवत्ता नियंत्रण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लाइसेंसधारियों को भारतीय मानकों के अनुपालन, गुणवत्ता प्रबंधन और लाइसेंस प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया गया। बीआईएस लखनऊ शाखा कार्यालय का यह प्रयास उद्योग जगत को गुणवत्ता के प्रति अधिक जिम्मेदार और जागरूक बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रयागराज से श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या जा रही मिनी बस ट्रेलर से टकराई दो की मौत 12 घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बक्सा थाना क्षेत्र के वाराणसी सुल्तानपुर हाईवे परकुल्हनामउ गांव हाईवे के पास बुधवार रात्रि करीब 2:00 बजे श्रद्धालुओं से भरी बस प्रयाग राज कुंभ से स्नान कर अयोध्या धाम दर्शन करने जा रही थी की इसी बीच उक्त स्थान पर आगे चल रही ट्रेलर के पीछे से टकरा गई। जिससे मौके पर बस चालक व खलासी की मौत हो गई। जबकि दस श्रद्धालु घायल हैं बस में सवार सभी श्रद्धालु पंजाब के निवासी बताए जा रहे हैं। दुर्घटना होते ही बस में बैठे लोगों में की चीख पुकार मच गई। चीख पुकार सुन आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दिया ।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे थानाध्य प्रदीप कुमार सिंह ने सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों को सूचना दिया। घटना के थोड़ी देर बाद इंस्पेक्टर लाइन बाजार मौके पर पहुंच गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को बस से बाहर निकाल और जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा जबकि दो मृतकों को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है। 24 सीटर वाली मिनी बस श्रद्धालुओं को प्रयागराज से लेकर अयोध्या जा रही थी उक्त स्थान पर पहुंचते ही चालक ने सामने जा रही ट्रेलर को ओवरटेक करने के प्रयास में पीछे से ट्रेलर में टकरा गई।प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हादसा चालक को आई नींद के कारण हुआ। घायल सभी श्रद्धालु पंजाब के फाजिल्का के रहने वाले हैं, जो कुंभ के बाद अयोध्या दर्शन को जा रहे थे। घायलों में हंसराज (52), कोमल (27), कमलेश देवी (50), संतरा देवी (58), राजकुमार (72), विरपाल (40), सुनीता (50), कमलेश (50) और राम केसर (65) राज कुमार (70) शामिल हैं। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल जौनपुर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में गुरुवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार सदर देवेश कुमार सिंह ने बताया कि बक्सा थाना क्षेत्र के कुल्हनामउ हाईवे के पास एक टूर ट्रेवल्स की गाड़ी प्रयागराज से 14 लोगों को लेकर अयोध्या जा रही थी कि तभी एक ट्रेलर को ओवरटेक करने के प्रयास में दुर्घटनाग्रस्त हो गई है ट्रेलर और उसके ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है मौके पर दो लोगों की मौत हो गई है। उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। यह पंजाब के फाजिल के रहने वाले हैं इसमें कुल 9 लोग गंभीर रूप से घायल हैं और तीन सामान्य रूप से घायल हैं सभी का उपचार जिला अस्पताल में कराया गया है सभी ठीक है तहरीर के आधार पर मामला पंजीकृत कर उचित कार्रवाई की जाएगी

टेन्डर पाम हॉस्पिटल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सफलतापूर्वक प्रक्रिया– किफायती स्वास्थ्य सेवा में एक मील का पत्थर

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ, 13 फरवरी 2025रू टेन्डर पाम हॉस्पिटल ने अपनी पहली बोन मैरो ट्रांसप्लांट (ठडज) प्रक्रिया की सफलता की घोषणा करते हुए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह प्रक्रिया 57 वर्षीय मरीज श्री रमन के लिए की गई, जो 7 जनवरी 2025 को अस्पताल में भर्ती हुए थे, और उन्हें हमारे समर्पित चिकित्सा दल द्वारा जीवन रक्षक उपचार प्रदान किया गया। यह उपलब्धि टेन्डर पाम हॉस्पिटल की किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को फिर से प्रमाणित करती है। हम लखनऊ में निजी क्षेत्र और कॉर्पोरेट सेटिंग में बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसे विशेषज्ञ उपचार प्रदान करने में अग्रणी हैं, और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक कर पाए। बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक जटिल और महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, और हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस उपचार को अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं में सफलतापूर्वक किया। श्री रमन अब स्वस्थ होने की ओर बढ़ रहे हैं, और उनका उपचार हमारी क्षमता और रोगी देखभाल के प्रति समर्पण का प्रमाण है। , ने कहा, ष्हम टेन्डर पाम हॉस्पिटल में अपनी पहली बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सफलता पर अत्यंत गर्व महसूस कर रहे हैं। यह हमारे लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है, क्योंकि हम ठडज जैसे विशेषज्ञ उपचारों को अपनी सेवाओं में शामिल कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है, जो सभी के लिए किफायती हो। इस ट्रांसप्लांट की सफलता हमारी अस्पताल की क्षमता को दर्शाती है, जो विशेषज्ञता, तकनीक और किफायती उपचार का संयोजन करती है। जैसे–जैसे हम लखनऊ के लोगों की सेवा करते हैं, हमारा लक्ष्य मेडिकल एडवांसमेंट्स में अग्रणी रहना है, ताकि उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा सभी के लिए सुलभ हो, बिना किसी वित्तीय बोझ के।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अवध प्रांत क्षेत्र में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। अवध क्षेत्र अध्यक्ष कर्नल वीएस तोमर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान, अध्यक्ष जी ने श्री राम जन्मभूमि अयोध्या जी के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास जी के निधन पर 2 मिनट का मौन

व्रत रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा, पूर्व सैनिकों के विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती के सफल कार्यक्रम की समीक्षा की गई। इस बैठक में कई प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें कर्नल आर वी सिंह संरक्षक, सूबेदार मेजर बीएल वर्मा उपाध्यक्ष, सूबेदार मेजर जेबीएस चौहान जनरल सेक्रेटरी, नायक सूबेदार अशोक कुमार कोषाध्यक्ष, और नायब सूबेदार कामता सिंह प्रचार प्रसार प्रमुख शामिल थे।

नई खाद्य प्रसंस्करण नीति से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई दिशा, किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की संख्या बढ़ाने, पुरानी इकाइयों को उच्चीकृत करने और उन्हें बेहतर संचालन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए नई नीति के तहत अनुदान और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने कार्यक्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को इस नीति की जानकारी दें और उन्हें खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के लिए प्रेरित करें। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने से किसानों की आय में वृद्धि होगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। साथ ही, इन उद्योगों से हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में लगभग 65,000 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित हैं, जिनमें करीब 2.55 लाख लोगों को रोजगार मिला है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023ष् के तहत 4000 करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को और अधिक सशक्त किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2024–25

उन्नयन योजना के तहत प्रदेश में अब तक 15,000 से अधिक इकाइयों को अनुदान स्वीकृति प्रदान की गई है, जिससे 1.50 लाख से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। योगी सरकार की ष्उत्तर प्रदेश खाद्य में अब तक 70 इकाइयों को 85 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जा चुका है। इस नीति के तहत उद्यमियों को उद्योग लगाने के लिए अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है।

श्री राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सतेंद्र दास जी के निधन पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने गहरा दुरूख व्यक्त किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष एवं कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने दुरूख व्यक्त करते हुए बताया कि श्री राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सतेंद्र दास जी के निधन पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अयोध्या धाम के अध्यक्ष ने गहरा दुरूख व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में पूर्व सैनिक परिषद की जिला अध्यक्ष श्री प्रकाश पाठक ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरे देश का सनातन धर्म दुखी हो गया यह भारत राष्ट्र की बहुत बड़ी क्षति है आचार्य जी मंदिर निर्माण सनातन धर्म एवं साधु संतों में प्रेरणा के सूत्रधार थे एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी का मार्गदर्शन भी करते थे अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अयोध्या के संरक्षक कैप्टन जेपी द्विवेदी ने कहा कि सत्येन्द्र दास जी के निधन से पूरी अयोध्या एवं साधु संतों में शोक की लहर में डूब गई है अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा आयोजित शोक सभा में कैप्टन जेपी द्विवेदी कैप्टन पारस पांडे कैप्टन सुरेंद्र द्विवेदी कैप्टन क तिवारी सूबेदार नजर बालकांड भूषण मिश्रा सूबेदारमेंद्र महेंद्र कुमार दुबे हरि सिंह रणविजय सिंह अमरजीत सिंह कैप्टन अमरजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज कलेक्ट्रेट कक्ष में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने हाल ही में राज्यपाल महोदया द्वारा सम्मानित किये गए दो प्रगतिशील किसानों अजीत प्रताप सिंह व ओम प्रकाश मौर्य से मुलाकात की। जिलाधिकारी ने दोनों प्रगतिशील किसानों को पुष्प गुच्छ देकर व माला पहनाकर सम्मानित किया। किसान अजीत प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी को अपना आलू उत्पाद दिखाया। किसान ओम प्रकाश मौर्य ने जिलाधिकारी को अपना शहद उत्पाद दिखाया। जिलाधिकारी ने किसानों की उपलब्धियों की एल्बम भी देखी। जिलाधिकारी ने दोनों किसानों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील किसानों को देखकर जनपद के अन्य किसानों को प्रेरणा मिलेगी। जनपद के किसानों को कृषि की नई तकनीकों को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर संयुक्त कृषि निदेशक डॉ नंदकिशोर, जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाठक व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय कृषि विश्वविद्यालय के 48वे कुलपति सम्मेलन में शरीक हुई प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। भारतीय कृषि विश्वविद्यालय के 48वे कुलपति सम्मेलन में शरीक हुई प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के कुलपतियों को राज्यपाल ने नसीहत दी और कहा केवल अंतर विश्वविद्यालयो से एमओयू से काम नहीं चलेगा, अब समय आ गया है अब विदेशी विश्वविद्यालय से भी एमओयू किया जाए, आजकल विश्वविद्यालय केवल अंतर विश्वविद्यालयो से ही कर रहे एमओयू, छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए विदेशी विश्वविद्यालय से भी एमओयू जरूरी होता है। विश्वविद्यालय के कुलपति नहीं मिलते आपस में, सभी कुलपतियों को आपस में मिलकर करना चाहिए विचार विमर्श, कुलपतियों का मिलन केवल चाय और नाश्ते तक ही रह गया है सीमित, राज्यपाल ने सम्मेलन के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विश्वविद्यालय परिसर में बलदाऊ वाटिका की स्थापना की, सम्मेलन में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी मौजूद रहे।

टेंट में रामलला के दुर्दिन देखकर रोते थे.. . प्राण प्रतिष्ठा पर छलके थे खुशी के आंसू

लखनऊ, (संवाददाता)। रामलला के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास बाबरी विध्वंस से लेकर राममंदिर निर्माण तक के साक्षी हैं। रामलला की बीते 32 साल से सेवा कर रहे थे। टेंट में रामलला के दुर्दिन देखकर रोते थे। करीब चार साल तक अस्थायी मंदिर में विराजे रामलला की सेवा मुख्य पुजारी के रूप में की। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय भी उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलके थे। स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते उनके मंदिर आने–जाने पर कोई शर्त लागू नहीं थी। वह जब चाहें मंदिर आ जा सकते थे। आचार्य सत्येंद्र दास ने साल 1975 में संस्कृत विद्यालय से आचार्य की डिग्री हासिल की। अगले साल यानी 1976 में उन्हें अयोध्या के संस्कृत महाविद्यालय में सहायक शिक्षक की नौकरी मिल गई। रामलला की पूजा के लिए उनका चयन 1992 में बाबरी विध्वंस से नौ माह पहले हुआ था। सत्येंद्र दास की उम्र 87 वर्ष हो चुकी थी लेकिन रामलला के प्रति उनके समर्पण व सेवा भाव को देखते हुए उनके स्थान पर किसी अन्य मुख्य पुजारी का चयन नहीं हुआ। सत्येंद्र दास ने रामलला को टेंट में सर्दी, गर्मी व बरसात की मार झेलते हुए देखा है। यह दृश्य देखकर वे रोते थे। एक वह भी दिन था जब रामलला को साल भर में केवल एक सेट नवीन वस्त्र मिलते थे।

रामनगरी की जलवायु को स्वच्छ बनाए रखना बड़ी चुनौती- महापौर

अयोध्या (रिपोर्टर) वीरेंद्र गुप्ता। अयोध्या रामनगरी विश्व फलक पर प्रतिष्ठित हो चुकी है। उसकी गरिमा के अनुकूल नगर की जलवायु को स्वच्छ बनाए रखना आवश्यक है। इस मामले में प्लास्टिक के अंधाधुंध प्रयोग से चुनौती बढ़ी है। नगर की स्वच्छता की दिशा में नगर निगम पूरी तत्परता से जुटा है। यह कहना था महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी का। वह बतौर मुख्य अतिथि साकेत महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का विषय साफ सांस स्वच्छ शहर रहा। नगर निगम ने चिंतन संस्था के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में नगर को स्वच्छ बनाए रखना पर चिंतन किया गया।

महापौर ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मकसद आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना है। उन्होंने कहा कि नगर की गालियां ही नहीं भूगर्भ जल एवं हवा भी स्वच्छ होना जरूरी है। उन्होंने लोगों से प्रदूषण पर नियंत्रण में सहयोग मांगा और कहा कि कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही रखें। इधर–उधर न फेंके, ताकि नगर के सफाई कर्मी उसका उचित निस्तारण कर सकें। इस मौके पर अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सिंह, सहायक नगर आयुक्त दुर्गाप्रसाद पांडे, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.दानपति तिवारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

15 फरवरी को सेवायोजन कार्यालय में एकदिवसीय रोजगार मेले का होगा आयोजन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेंटर, अयोध्या में दिनांक 15 फरवरी, 2025 को प्रातः 10 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, परिसर, फतेहगंज अयोध्या में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की तकनीकीध्गैर तकनीकी प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। ऐसे अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष एवं शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, आई0टी0आई0 एवं डिप्लोमा है, प्रतिभाग कर सकते है। ऐसे अभ्यर्थी तवरहतेंदहंउ.नच.हवअ.पद (रोजगार मेला आई0डी0–2382) एवं दबे.हवअ.पद पोर्टल पर पंजीकरण कराकर प्रतिभाग कर सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ उक्त दिनांक को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय,अयोध्या में उपस्थित हों, इस हेतु किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय आदि देय नहीं है। उक्त जानकारी सहायक निदेशक सेवायोजन अयोध्या ने दी है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।